हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025

11 पहले मैच में पालुवास ने लेघा की टीम को हराया

12 मुख्यमंत्री सैनी से मिलकर जल्द डॉ. अंबेडकर...

HURRY UP ! Limited Seats
NEET | JEE | NTSE
NDA | MNS | AIRFORCE
★Free Doubt Class ★AC Class Rooms
★Free Extra Class ★Join H.D. for Success
★No Tuition No Tension ★Direct Bus Service From Ch. Dadri
FREE DEMO Classes
Science (Medical, Non-Medical) Commerce, Arts
H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
Admission Open Nur. to 9th & 11th
For Session 2025-26
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

बाबा साहेब ने शिक्षा के सुधार के लिए उठाए कदम

भिवानी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक डॉ शिव शंकर भारद्वाज ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने देश भर में शिक्षा का सुधार के लिए अनेक कदम उठाए आज हम सब मिलकर उनके सपनों को साकार करें और उनके बताएं मार्ग पर चले आज उनकी जयंती पर रोहतक गेट स्थित आवास पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि समाज सुधारक और संविधान के निर्माता के रूप में भी जाना जाता है। बाबा साहेब के बचपन का नाम भीम सकपाल था। उनके पिता रामजी मोलाजी एक प्रधानाध्यापक थे। डॉ भीमराव अंबेडकर ने हमेशा शोषितों, वंचितों और महिलाओं के लिए कार्य किया है। बाबा साहेब मानते थे कि एक देश तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक वहां की औरतें विकसित ना हो जाएं।

फुले ने महिला शिक्षा पर किया फोकसः चेयरमैन

भिवानी। जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर के स्वामी विवेकानंद सभागार में सैनी कल्याण परिषद ने महात्मा ज्योतिबा फुले व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाई। कार्यक्रम महंत डॉ. अशोक गिरी, महंत चरणदास महाराज व कैलाश गिरी के सान्निध्य में हुआ। कार्यक्रम में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर व महात्मा ज्योतिबा फूले को याद कर नमन किया। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने हरियाणवी संस्कृति की प्रस्तुतियां दी।। महंत चरणदास ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फूले को पढ़ाया और इसके बाद देश की प्रथम महिला शिक्षिका बनकर सावित्रीबाई फूले ने महिलाओं को शिक्षित किया।

ग्रामीणों ने पौधरोपण कर दी श्रद्धांजलि

भिवानी। गांव झुंपाकलां में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती ग्रामीणों ने निराले ढंग से मनाकर उनकी शिक्षाओं को स्मरण किया। इस मौके पर बाबा साहेब की जयंती पर त्रिवेणी बाबा के सानिध्य में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा व ग्रामीणों के सहयोग से गांव की बाबा श्रीश्याम की बगीची में स्वाति नेहरा ने 7वें जन्मदिन पर त्रिवेणी व 11 फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर नेहरा ने बाबा साहेब की शिक्षाओं, प्रेरणाओं व देश के लिए किए कार्यो के बारे में उपस्थित सभी जनों को विस्तारपूर्वक बताया।

भाजपाइयों ने दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

भिवानी। देशभर में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई जा रही है। बाबा साहेब ने देश से जाति प्रथा और समाज में कुव्यवस्था को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई थी। भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भाजपाइयों ने उन्हें नमन किया है। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर ने समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने बाबा साहेब का संघर्ष हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत एवं मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता के रूप में बाबा साहेब का योगदान है।

शाम के वक्त व्यवस्था आई पटरी पर, लोगों ने ली राहत की सांस

रोडवेज बसों की मारामारी, निजी बसों में सफर की बनी लाचारी

कुछ रूटों पर रोडवेज बसें चली,लेकिन अधिकांश रूटों पर निजी बसों में ही लोगों ने सफर किया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सोमवार को भिवानी बस अड्डे पर रोडवेज बसों के लिए जबरदस्त मारामारी रही। हालांकि कुछ रूटों पर रोडवेज बसें चली,लेकिन अधिकांश रूटों पर निजी बसों में ही लोगों ने सफर किया। अनेक लोग निजी वाहनों से ही गंत्तव्य तक पहुंचे। जिनको गंत्तव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त खर्च व समय की बर्बादी भी सहनी पड़ी। मोदी रैली से बसों के भिवानी पहुंचने के बाद ही शाम के वक्त रोडवेज की व्यवस्था पटरी पर आई और रोडवेज बसों को लंबी दूरी के लिए रवाना किया।

यह नजारा सुबह से लेकर शाम साढ़े चार बजे तक बना रहा। दूसरी तरफ जिन रूटों पर निजी बसें चलती थी। आज उन रूटों पर निजी बस संचालकों ने चांदी काटी। मनमर्जी से जिस समय पर सवारी मिली। उसी समय वे गंत्तव्य के लिए रवाना हुई। कई रूट ऐसे भी थे। जहां पर एक भी रोडवेज या निजी बस नहीं चल पाई। जिस वजह से लोगों को अच्छी खासी समस्या सहनी पड़ी। बताते है कि भिवानी, लोहारू व तोशाम में करीब 120 बसें रोजाना लंबी व छोटे रूटों पर चलती है,लेकिन आज इनमें से 84 बसों को हिसार के लिए रवाना कर दिया। जिस वजह से बस अड्डे पर रोडवेज बसों की मारामारी बनी रही। चूंकि भिवानी बस अड्डे से छोटे बड़े सभी करीब 50-60 रूट बनते है।जिन पर केवल 36 बसों का ही संचालन हो रहा था। वह बात दिगर थी कि इन रूटों पर निजी बसें भी चल रही थी। बसों की कमी की वजह से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालात ये बने थे कि लोगों को बसों के लिए एक से डेढ घंटे तक इंतजार करना पड़ा। उसके बाद ही वे निजी बसों में बैठ कर गंत्तव्य तक पहुंचे। कई रूटों पर ऑटो रिक्शा या इलेक्ट्रिक रिक्शा से ही लोग अपने घरों तक गए। दोपहर बाद हिसार रैली से जब रोडवेज की बसों का आना शुरू हुआ तो रोडवेज की व्यवस्था पटरी पर आनी शुरू हुई। शाम तक अधिकांश बसें भिवानी, लोहारू व तोशाम अपने अपने डिपों में पहुंची।

भिवानी। बसों के अभाव में निजी वाहनों में बैठने के लिए जाते हुए।

भिवानी। हिसार मोदी रैली में जाती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

पड़ोसी जिले में कार्यक्रम, पूरे जिले में चॉक चौबंद व्यवस्था

भिवानी। हिसार में पीएम मोदी रैली का असर भिवानी जिले पर भी पड़ा। हालांकि भिवानी में कोई कार्यक्रम नहीं था,लेकिन हिसार रैली में किसी तरह की यातायात व्यवस्था में व्यवधान न पड़े। इसकी जिला प्रशासन की तरफ से पूरी तैयारी रही। हिसार को जोड़ने वाले सभी रास्तों पर पुलिस की जबरदस्त नाकाबंदी रही। यहां तक कि हर पांच से छह किलोमीटर की दूसरी पर प्रशासन द्वारा एक एक क्रेन भी तैनात की गई। ताकि किसी कारणवश जाम की स्थिति बन पाए। इस दौरान पुलिस बल भी बीच बीच में गश्त करता नजर आया। पुलिस ने रास्ते में कही पर भी कोई ब्लाकेज नहीं होने दिया। वहीं हर चौक चौराहे पर भी पुलिस तैनात रही। सुबह सवेरे से ही हर चौक व चौराहों पर पुलिस तैनात रही। हिसार जाने वाले मार्ग को जोड़ने वाले लिंक मार्गों पर भी पुलिस तैनात की गई। इन जगहों पर तैनात पुलिस के जवानों से आपस में तालमेल बनाया गया। यहां पर तैनात हर पुलिस कर्मचारी पल पल की जानकारी अपने आला अधिकारियों से साझा करते रहे। कहीं पर भी थोड़ा बहुत रोड अवरूद्ध की सूचना मिली तो तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु करवाया।

जबदरस्त रहा लोगों में उत्साह

हिसार में पीएम की रैली को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। लोगों को हिसार पहुंचे का साढे आठ बजे का समय दिया था। लोग अपने या सरकारी बसों में बैठकर आठ बजे ही पहुंचने लगे।अकेले भिवानी से 6-7 दर्जन बसें हिसार के लिए रवाना हुई। लोगों ने हिसार रैली में जाने के लिए पहले से ही अपनी तैयारी की हुई थी। वे रविवार से ही जाने का प्रोग्राम तय कर चुके थे।

भिवानी। प्रतियोगिता में मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि। *फोटो: हरिभूमि*

सीनियर राष्ट्रीय सर्कल कबड्डी में महिला-पुरुष वर्ग में हरियाणा प्रथम

- शारीरिक क्षमता, रणनीतिक सोच एवं सहनशक्ति को परखता है सर्कल कबड्डी खेल: धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जनता कॉलेज में तीन दिवसीय महिला एवं पुरूष वर्ग की 18वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में देशभर के प्रत्येक राज्यों की महिला एवं पुरूष वर्ग की टीमों ने भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के समापन पर केबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार, सांसद धर्मबीर सिंह, किसान युव क्लब के संस्थापक सुधीर तंवर, बिहार कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर व हरियाणा कबड्डी एसोसिएशन के सचिव नसीब जांगू ने शिरकत की तथा विजेता टीमों को सम्मानित किया।

पंजाब की टीम द्वितीय

उन्होंने बताया कि 18वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता में लड़कों के वर्ग में हरियाणा प्रथम, पंजाब द्वितीय व राजस्थान की टीम तीसरे स्थान पर रही। लड़कियों के वर्ग में हरियाणा प्रथम, पंजाब दूसरे व छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर रहे। केबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार व सांसद धर्मबीर ने कहा कि सर्कल कबड्डी पारंपरिक कबड्डी का तेज और आक्रामक संस्करण है, जो न केवल खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता बल्कि उनकी रणनीतिक सोच व सहनशक्ति को भी परखता है। इस खेल में तेजी, संतुलन, शक्ति और सहनशक्ति की आवश्यकता होती है, जिससे खिलाड़ियों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का मौका मिलता है।

महिला का माइंड वाश करके तीन नकाबपोश युवकों ने महिला से लूटा 5 तोला सोना

तोशाम। मोटरसाइकिल व स्कूटी पर सवार 3 नकाबपोश युवकों ने एक अधेड़ महिला को सरकारी स्कीम में ईनाम निकालने की बात कहकर 5 तोले सोना लूट लिया। जिसके बाद वे वहां से फरार हो गए। पीड़ति ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। खबर लिखे जाने तक पुलिस कार्रवाई में लगी हुई थी। तोशाम निवासी सरोज ने बताया कि वह सुबह क़रीबन 9 बजे अपने घर से अपनी फैक्ट्री में जा रही थी। जब वह बस अड्डे के नजदीक पहुंची तो एक मोटरसाइकिल पर 2 व स्कूटी पर सवार होकर एक युवक आया। मोटरसाइकिल सवार युवकों ने हेलमेट पहना हुआ था जबकि स्कूटी सवार ने मुहं पर कपड़ा बांधा हुआ था। उन तीनों ने महिला के आगे मोटरसाइकिल व स्कूटी रोककर कहा कि अंटी सरकारी स्कीम निकली हुई है।

व्हाट्सएप पर क्यूआर कोड भेजकर ठगा

- गांव सांवड़ निवासी अमित की बहन मंजू ने फ्लिपकार्ड से 999 रुपये का सूट ऑर्डर किया था

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

साइबर क्राइम पुलिस ने सोमवार को ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर महिला से हजारों रुपये ठगने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी अनुसार गांव सांवड़ निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बहन मंजू ने फ्लिपकार्ड से 999 रुपये की कीमत का सूट ऑर्डर किया था। ऑर्डर फ्लिपकार्ड की तरफ से कैंसिल हो गया था, इस बारे में उसकी बहन को पता नहीं चला। उसकी बहन मंजू गुवाहटी घूमने गई हुई थी, तब उसके मोबाइल फोन पर कॉल आई, जिसने बताया कि ऑर्डर आया हुआ है, 999 रुपये की पेमेंट करनी है। कॉल करने वाले ने व्हाट्सएप पर क्यूआर कोड भेज दिया, लेकिन व्यक्ति ने दोबारा फोन कर कहा कि आपकी पेमेंट किसी टेक्निकल खराबी के कारण अटक गई है, दोबारा पेमेंट करनी होगी।

पुलिस हिरासत में ठगी का आरोपी।

पीड़ित ने दो बार में 16 हजार रुपये भेज दिए

उसने कहा कि पहले जो पेमेंट डाली है, वह खाते में वापस आ जाएगी। इसके बाद दोबारा क्यूआर कोड पर 999 रुपये भेज दिए। मगर उस व्यक्ति ने टेक्निकल खराबी बताकर दूसरे नंबर पर फोन पे करने को बोल दिया, उसकी बहन ने फोन पे कर दिए। वह व्यक्ति टेक्निकल खराबी बताकर बार-बार फोन कर रुपये डलवाता रहा। व्यक्ति ने कहा कि छोटी पेमेंट होने के कारण नहीं हो पा रही है, आप ज्यादा पेमेंट डाल दें, वो पैसे खाते में वापस डाल देगा, जो 24 घंटे ने रिफंड हो जाएंगे। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी बहन ने दो बार में 16 हजार रुपये दो भेज दिए, लेकिन वह व्यक्ति लगातार रुपये नहीं आने का बहाना बनाकर रुपये डलवाता रहा। इसके बाद 5 हजार, 17 हजार और 22 हजार रुपये और डलवा लिए।

बीआरणसीएम लॉ कॉलेज में मनाई अंबेडकर जयंती

बहल। बीआरणसीएम लॉ कॉलेज में धूमधाम से डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल अर्थात डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस के दिन को अंबेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया ᑊ कार्यक्रम का आरम्भ बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम में कालेज प्राचार्य डॉ. सुनील शुक्ला ने बतौर मुख्य अतिथि छात्र.छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

ठगी का आरोपी किया गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी से फोन, कार्ड पासबुक, आधार कार्ड व 7,200 रुपये किए बरामद।
- उंगली कटने पर क्लेम दिलवाने के बहाने जाल में फंसाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

थाना साइबर क्राइम भिवानी ने क्लेम दिलवाने के नाम पर पीड़ित के खाते को ऑनलाइन धोखाधड़ी की रकम डलवाने के मामले में इस्तेमाल करने पर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अक्षय निवासी बड़वा ने पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि पिछले वर्ष उनके हाथ की दो उंगलिया कट गई थी और उन्होंने सर्विस की दुकान करी हुई है जो उनकी दुकान पर उनके ही गांव का रोहित आया था और जिसने बतलाया था कि हाथ की उंगली कटने पर सरकार के द्वारा क्लेम दिया जाता है आरोपित रोहित ने शिकायतकर्ता को बतलाया कि क्लेम लेने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरना पड़ेगा इसके लिए बैंक अकाउंट एटीएम, पासबुक, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी शिकायतकर्ता के द्वारा आरोपी को दस्तावेज उपलब्ध करवाने के बाद भी ना तो शिकायतकर्ता का क्लेम पास हुआ और न हीं आरोपी ने शिकायतकर्ता को उसके दस्तावेज लौट आए थे जो कुछ दिन बाद बैंक में जाने पर बैंक कर्मियों ने बतलाया कि शिकायतकर्ता अक्षय का बैंक अकाउंट ऑनलाइन धोखाधड़ी की रकम डलवाने के लिए प्रयोग हुआ है इसलिए उनका खाता बंद कर दिया है। जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना साइबर क्राइम भिवानी में दर्ज किया था।

खाते का धोखाधड़ी की रकम डलवाने के लिए प्रयोग

थाना साइबर क्राइम भिवानी के मुख्य सिपाही रफीक ने खाते का ऑनलाइन धोखाधड़ी की रकम डलवाने के लिए प्रयोग करने के मामले में एक आरोपी को बड़वा सिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रोहित पुत्र दयानंद निवासी बड़वा जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी से एक मोबाइल फोन शिकायतकर्ता के दस्तावेज व 7,200 रुपए बरामद किए गए हैं। आरोपी रोहित ने शिकायतकर्ता अक्षय का खाता आगे अपने दो अन्य दोस्तों को 15,000 रुपए में ऑनलाइन फ्रॉड की रकम डलवाने के लिए बेच दिया था।

चोरी करने के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

थाना सदर पुलिस भिवानी में गांव बापोड़ा में बंद मकान से आभूषण व रुपए चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को बापोड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बापोड़ा निवासी महिला ने थाना सदर पुलिस भिवानी को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपने बच्चों के पास गई हुई थी जो उन्होंने नौ अप्रैल को अपने गांव बापोड़ा में आकर देखा तो उनके कमरों के ताले टूटे हुए थे और चोर घर से सोने चांदी के आभूषण व रुपए चोरी करके ले गए थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में दर्ज किया था। थाना सदर पुलिस के मुख्य सिपाही दीपक कुमार ने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को बापोड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान भारत निवासी बापोड़ा, सुमित पनिवासी बापोड़ा व मनोज पुत्र गंगाराम निवासी बापोड़ा के रूप में हुई है।

कई स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी नेटवर्क की समस्या

ऑनलाइन डायरी के निर्णय का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राज्य निदेशक माध्यमिक शिक्षा हरियाणा ने 8 अप्रैल को एक पत्र जारी कर प्रदेश के सभी शिक्षकों को डेली डायरी को ऑनलाइन अपलोड करने के आदेश जारी किए हैं। हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष जंगबीर कासनियां व जिला प्रधान राजेश कालुवास ने भिवानी में हुई संगठन की बैठक में इस फैसले को अव्यवहारिक बताते हुए कड़ा विरोध जताया। कई स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क की समस्या एवं अतिरिक्त कार्यभार के चलते यह एक जटिल प्रक्रिया बनने के कारण इसमें समय ज्यादा लग सकता है। जिला प्रेस सचिव सुदेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक शिक्षक द्वारा रोजाना प्रत्येक बच्चे की एमआईएस पर उपस्थिति, कक्षावार निपुण हरियाणा शिक्षक ऐप पर उपस्थिती, एमडीएम तथा शिक्षक हाजिरी को ऑनलाइन किया जाता है।

भिवानी। ऑन लाइन डायरी के निर्णय का विरोध जताते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हर शिक्षक को तीन क्लासें पढ़ानी पड़ रही

संगठन के जिला महासचिव सुनील रोहिल्ला ने बताया कि प्रदेश के सभी शिक्षक डेली डायरी को पहले से ही ऑफलाइन (मैन्युअली) लिख रहे हैं तथा संबंधित स्कूल मुखिया द्वारा नियमित रूप से उसे सीन कर सत्यापित किया जा रहा है। इसके अलावा उच्च अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण भी किया जाता है। अधिकतर प्राथमिक स्कूलों के प्रत्येक शिक्षक के पास दो से तीन कक्षाएं होने के कारण उन्हें डेली डायरी अपलोड करने मेंऔर भी अधिक समय लगेगा।

डेली डायरी को ऑफलाइन मोड में रखा जाए

जिला इकाई शिक्षा विभाग से भी आग्रह करती है कि इस आदेश पर पुनर्विचार करते हुए डेली डायरी को ऑफलाइन मोड में ही रखा जाए। हरियाणा प्राइमरी टीचर एसोसिएशन राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष जंगबीर कासनिया ने बताया कि प्रदेश के सभी शिक्षकों द्वारा डेली डायरी को ऑनलाइन अपलोड करने में क्षेत्रीय व अन्य परिस्थितियों के कारण यह जटिल व टाइम कंजूमिंग प्रक्रिया है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है । बैठक में राजकुमार वर्मा, सुदेश शर्मा, जितेंद्र बडेसरा, सुरेन्द्र कैरु,नरेश लड़वाल, राजेश डाबला, अनिल सांगवान के साथ- साथ अन्य अध्यापक साथी भी उपस्थित रहे।

यह कितनी बड़ी विडंबना है, हर क्षेत्र में अपनी मेधा शक्ति का लोहा मनवाती महिलाओं को इस आधुनिक युग में भी अपनी त्वचा के रंग को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां सुननी पड़ती हैं। उनके सम्मान पर आघात पहुंचाया जाता है। केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन के रंग पर की गई टिप्पणी, इस बात का ताजा उदाहरण है। सवाल यह है, रंगभेद का दंश स्त्रियां कब तक सहती रहेंगी, समाज इस संकीर्ण सोच से कैसे उबरेगा?

शारदा मुरलीधरन पर टिप्पणी

आज भी रंगभेद का दंश सह रही हैं स्त्रियां

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

इसे दुराग्रह कहें या दिशाहीन पुरातनपंथी सोच, गोरे-काले रंग को लेकर आज भी दुर्भावना भरी टिप्पणियां सुनने को मिल जाती हैं। सामाजिक और पारिवारिक परिवेश में बहू-बेटियों का सांवलेपन को खूबसूरती की कमी और गोरे रंग को सुंदरता से जोड़कर देखा जाना आम बात है। दुखद है कि पढ़ी-लिखी कामयाब महिलाएं भी स्किन कलर को लेकर कहे गए द्वेषपूर्ण-नकारात्मक शब्दों का सामना करती हैं। हाल ही में केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पोस्ट पर रंगभेद पर अपनी बात शेयर करते हुए लिखा कि एक अनजान व्यक्ति ने उनके दफ्तर में उनके रंग को लेकर टिप्पणी की। शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मेरे कामों की तुलना हमेशा मेरे पति से की जाती रही है। लेकिन अब एक टिप्पणी ऐसी भी सुनने को मिली, जिसमें मेरे काम-काज की तुलना के साथ ही मेरे रंग पर भी तंज किया गया।' गौरतलब है कि शारदा ने अपने पति के रिटायर होने के बाद यह पद संभाला है। शारदा ने लिखा, 'मैंने पचास साल से भी ज्यादा के अरसे से रंग गोरा न होने से सुंदरता में कमी देखने की सोच का सामना किया है। लोगों में फेयर स्किन टोन का क्रेज देखा है।' सोशल मीडिया पोस्ट में शारदा ने न केवल अपने रंग को लेकर समाज की सोच पर सवाल उठाए बल्कि अपने कालेपन पर गर्व होने की बात भी कही। चर्चा, चिंता और चिंतन का विषय बना, संकीर्ण सोच के सामने रखता यह मामला बहुत से पहलुओं पर सोचने को विवश करता है, सार्थक विमर्श की भी मांग करता है।

भेदभाव से जुड़ा पहलू

ध्यान देने वाली बात यह है कि सांवले रंग की वजह से भेदभाव का सामना करने के हालात, जेंडर डिसक्रिमिनेशन से भी जुड़े हैं। घर हो या दफ्तर, त्वचा के रंग की वजह दुर्भाव भरे शब्द आमतौर पर महिलाओं को ही सुनने को मिलते हैं। सांवली शक्ल के प्रति परायों में ही नहीं, अपनों में भी पूर्वाग्रह देखने को मिलता है। शादी-सगाई के समय तो बहुत हद तक स्किन कलर को लेकर कायम सोच स्पष्ट दिखती है। तकलीफदेह बात यह है कि काम-काजी संसार में भी कभी सराहना तो कभी बेहतर अवसर के रूप में गोरे चेहरों की ओर झुकाव दिख जाता है। जबकि यह भेदभाव सीधे-सीधे किसी स्त्री की योग्यता और क्षमता पर प्रश्न उठाने जैसा है। शारदा मुरलीधरन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि उनकी परफॉर्मेंस की तुलना उनसे पहले उसी पोस्ट पर रहे व्यक्ति से की गई, जो उनके पति हैं और उनकी स्किन का कलर अलग है। लैंगिक पूर्वाग्रहों के चलते ही एक ऑफिसर के तौर पर उनकी परफॉर्मेंस पर बात कहने के बजाए, इस टिप्पणी में उनकी स्किन का रंग भी जुड़ गया। एक सफल-सशक्त स्त्री से जुड़ा यह मामला बताता है कि जेंडर डिसक्रिमिनेशन की जड़ें कितनी गहरी हैं।

आत्मसम्मान को ठेस

रंगभेद पर की गई टिप्पणियां सिर्फ शब्द भर नहीं होते। ऐसी बातें स्त्रियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। गोरी त्वचा को लेकर कायम मोह और मनुहार का भाव, बहुत-सी बहू-बेटियों को बेवजह कमतरी के भाव की ओर धकेलता है। घरेलू मोर्चे पर गुणों की अनदेखी, तो पेशेवर फ्रंट पर काम-काज के मूल्यांकन पर भी चेहरे की रंगत से जुड़ी सोच हावी रहती है। वहीं सामाजिक-पारिवारिक माहौल में तो सांवलेपन को महिला ही नहीं, उसके पूरे परिवार की कमजोरी की तरह देखा जाता है। पक्के रंग वाली बहू को लेकर सहानुभूति जताई जाती है तो बेटी का रंग गोरा न होने पर अच्छा घरबार न मिलने की चिंता। लोगों को सहज-सी लगने वाली इन बातों और बर्ताव का महिलाओं के मन पर गहरा असर होता है। बड़ी होती बेटियां तो बहुत असहज महसूस करती हैं। त्वचा का रंग स्कूल-कॉलेज तक में उन्हें एक अलग खांचे में खड़ा करता है। इसी मनःस्थिति की बात शारदा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी कही है कि 'जब मैं चार साल की थी तो मां से पूछा करती थी कि क्या वे मुझे अपनी कोख में दोबारा डाल सकती हैं और झक गोरा और सुंदर बनाकर निकाल सकती हैं?' असल में रंगभेद से जुड़ा बर्ताव इमोशनल-साइकोलॉजिकल फ्रंट पर भी हर आयुवर्ग की स्त्रियों को चोट पहुंचाता है। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद समाज के हर तबके में ही स्त्रियों का अपमान करने और उनके मन में अपराधबोध का भाव भरने का यह बर्ताव सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है।

उपहास का विषय क्यों

विडंबना ही है कि सदा से ही प्रकृति से मिले रंग-रूप को भी उपहास और अभद्र टिप्पणियां करने का विषय बनाया गया। समय के साथ बदलाव भी इस मोर्चे पर सब कुछ नहीं बदल पाए हैं। असल में इस फ्रंट पर मानसिकता बदले बिना बदलाव आना मुश्किल है। पक्के-सांवले रंग को लेकर दयनीय समझने के बजाए किसी महिला की काबिलियत और अच्छे बर्ताव को महत्व देने की सोच जरूरी है। संपूर्ण व्यक्तित्व को आंकने का भाव आवश्यक है। मेहनत से अर्जित की गई योग्यता के प्रति सम्मान के भाव को पोसना जरूरी है। आखिर कब तक स्किन कलर से जुड़ी सोच स्त्रियों की असहजता का कारण बनी रहेगी? पक्के रंग के कारण अपमान और उपहास वाले शब्द कब तक जीना दूभर करते रहेंगे? कुछ समय पहले राजस्थान के झालावाड़ जिले में शादी के बाद से ही पति द्वारा रंग को लेकर तंज करने और फब्तियां कसने के चलते पत्नी ने सुसाइड कर ली थी। समझना जरूरी है कि ऐसी घटनाओं के पीछे पीड़ा और तानों-उलाहनों की लंबी फेहरिस्त है। ऐसे में समग्र समाज की मानसिकता में बदलाव आए बिना यह भेदभाव नहीं रुक सकता। सांवली बेटी को लेकर सहजता तभी आएगी, जब सांवली बहू को स्वीकार करने में असहजता नहीं रहेगी।

बाजार ने भी दिया बढ़ावा

असल में रंगभेद की सोच सोशल सिस्टम में तो थी ही, इसे बाजार ने भी बढ़ावा दिया है। कितने ही प्रोडक्ट्स के विज्ञापन चेहरे को गोरा बनाकर सबको लुभाने, हर ओर छा जाने का भाव दिखाते रहे हैं। अफसोस कि खूबसूरत दिखने के लिए गोरे रंग को जरूरी बताने वाली मानसिकता की यह लड़ाई आज तक जारी है। चेहरे को निखारने से शुरू हुए उत्पादों का बाजार अब गोरा बनाने वाले प्रोडक्ट्स तक जा पहुंचा है। शादी-ब्याह से लेकर नौकरी पाने तक और आत्मविश्वासी दिखने से लेकर आत्मनिर्भर बनने तक। गोरा बनाने वाले अनगिनत उत्पादों के विज्ञापनों में बताया-समझाया जा रहा है कि गोरा रंग लगभग हर समस्या का हल है। अब रील्स वीडियोज में गोरा बनने के गुर बताकर लाखों व्यूज बटोरे जा रहे हैं। रंग निखारने का वादा और दावा करने वाले वीडियोज से सोशल मीडिया अटा पड़ा है। ऐसे में जरूरी है कि स्त्रियों में अपने-अपने रंग-रूप के प्रति स्वीकार्यता का भाव हो। परिवेश के तानों-उलाहनों की आत्मविश्वास के साथ अनदेखी करने और बाजार का खेल समझने की सोच को बल मिले। साथ स्वजन ही नहीं, अपरिचित लोग भी अपना नजरिया बदलें। समग्र समाज की सोच में बदलाव आए बिना, भेदभाव पोषित करने वाली इस मानसिकता से नहीं निकला जा सकता है।

शादी से पहले पार्टनर के साथ क्लीयर कर लें करियर से जुड़ी बातें

आज हर लड़की अपना करियर बनाना चाहती है। लेकिन शादी के बाद करियर में बहुत सी बाधाएं आती हैं, यहां तक कि कई बार करियर बनाने का इरादा छोड़ना पड़ता है। ऐसा न हो, इसलिए अपने भावी जीवनसाथी से शादी से पहले ही खुलकर बात कर लें।

एडवाइस

नम्रता नदीम

एमबीए कर चुकी नेहा की शादी एक संपन्न परिवार में हुई थी। शादी के बाद हंसी-खुशी कुछ माह बीत गए। नेहा का पति एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत था। नेहा को जब घर बैठे बोरियत होने लगी तो उसने जॉब्स के लिए इच्छा जताई और कई कंपनियों में अप्लाई कर दिया। ऐसा करना था कि पति नाराज रहने लगे। उन्हें यह पसंद नहीं था कि उनकी पत्नी जॉब करे। उनका कहना था, जब वह अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं, वह और उनका परिवार इस कमाई से संतुष्ट है तो नेहा कमाने के लिए घर से बाहर क्यों निकले? घर में इस बात पर दोनों में तकरार होने लगी। एक दिन ऐसा भी आया, जब नेहा को भी एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में बहुत अच्छी सैलरी पर जॉब मिल गई। पति ने इस बात का कड़ा विरोध किया। अंततः नेहा ससुराल से मायके आकर रहने लगी। इस तरह पत्नी के सपने पति पर भारी पड़े, दोनों के रिश्ते टूटने की कगार पर पहुंच गए। इसलिए जरूरी है, जब भी कोई लड़की वैवाहिक बंधन में बंधने वाली हो तो उसे पहले ही मंगेतर से अपने करियर को लेकर बातें क्लीयर कर लेनी चाहिए।

रिश्ते में बंधने से पहले: अगर आप किसी रिश्ते में जुड़ने जा रही हैं तो पहले ही भावी जीवनसाथी से यह जान लें कि आपको लेकर उसकी क्या अपेक्षाएं हैं? आपके करियर को लेकर उसकी क्या सोच है? अगर आपका पार्टनर अपने सपनों की उड़ान तो बहुत ऊंची भरना चाहता है, लेकिन आपके करियर को कोई महत्व नहीं देना चाहता और आप हैं कि जीवन में बहुत आगे बढ़ना चाहती हैं, आत्मनिर्भर रहना चाहती हैं तो यह जान लें, उसके साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर आपके सपने पूरे नहीं हो पाएंगे। कहने का आशय यह है, आप दोनों एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं को कितना महत्व देंगे, इस बात की पुष्टि शादी से पहले ही कर लें। अगर आप जॉब करने की इच्छुक हैं तो पहले से ही भावी जीवनसाथी ही नहीं, उसके परिवार के सदस्यों से भी खुलकर बात कर लें। यदि आपको लगता है कि आगे जॉब करने की इजाजत नहीं होगी तो ऐसे रिश्ते को एक्सेप्ट करना सही नहीं होगा।

हो बैटर अंडरस्टैंडिंग

अगर पति-पत्नी दोनों के बीच आपसी प्यार है, अच्छी अंडरस्टैंडिंग है तो दोनों ही एक-दूसरे के सपनों को महत्व देंगे। इन्हें पूरा होने में बाधक नहीं बनेंगे। एक-दूसरे की बेहतरी के लिए जो भी अच्छा हो सकता है, करेंगे। महत्वाकांक्षी पति-पत्नी को एक-दूसरे के सपनों की मंजिल पाने में मदद के लिए तैयार रहना चाहिए।

स्वार्थी न बनें: यह सच है कि हर किसी को अपने सपने पूरे करने का हक है, लेकिन इन्हें ऊपर रखते हुए अपने साथी की जरूरतों को नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। अपना करियर जरूर संवारें, लेकिन ऐसा न हो कि आपके एंबीशन इतने ज्यादा हों कि आप और आपके पार्टनर के बीच कोई तालमेल न हो सके। अपने सपनों की उड़ान में आप उसके सपनों को पूरा करने में कितनी सहायक हो सकती हैं, इसके बारे में जरूर सोचें, क्योंकि करियर को लेकर दोनों के बीच तालमेल स्थापित होना जरूरी है।

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

उलझे बालों की समस्या दूर कर देंगे ये हेयर मास्क

किसी फंक्शन या पार्टी में जाने के लिए, आप अपने बालों में तरह-तरह के प्रोडक्ट्स और टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। इससे आपके बालों की लेयरिंग खराब हो जाती है। वो डल और बेजान दिखने लगते हैं। इस वजह से कई बारे बाल उलझ भी जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए आप हेयर मास्क का यूज कर सकती हैं, जो आपके बालों को मुलायम और सुलझा हुआ बना देंगे।

नारियल दूध-शहद का मास्क: बालों को उलझने से बचाने के लिए नारियल का दूध और शहद का मास्क बहुत यूजफुल है। इसे बालों पर लगा कर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में सिर को ताजे सामान्य पानी से धो डालें। नारियल का दूध बालों की डीप हाइड्रेशन करता है, जबकि शहद बालों में नमी को बनाए रखता है, जिससे बाल मजबूत और मुलायम रहते हैं और आपस में उलझते नहीं हैं। इसे बनाने के लिए कांच के कटोरे में एक चम्मच नारियल तेल और एक चम्मच शहद का मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को गैस पर हल्की आंच पर तब तक गर्म करें, जब तक यह पूरी तरह पिघल न जाए। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसमें एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। अब इस मिश्रण को गीले बालों पर लगा लीजिए। आप इसे ड्राई बालों पर भी लगा सकती हैं। ड्राई, फ्रीजी बालों पर अच्छी तरह लगाने के बाद बालों को कैप से ढंक लीजिए और 45 मिनट तक लगा रहने दीजिए। आप चाहें तो बालों का जूड़ा भी बना सकती हैं। 45 मिनट बाद बालों को शैंपू से धो लें।

एवोकाडो-नारियल तेल मास्क: एवोकाडो और नारियल तेल का हेयर मास्क भी बालों को उलझने से बचाता है। इसे बनाने के लिए एक पके एवोकाडो को ग्लास बॉउल में मैश कर लें। इसमें दो-तीन बूंदें नारियल तेल डालकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को अपनी अंगुलियों के माध्यम से बालों और स्कैल्प पर धीरे-धीरे लगाएं। बाद में बालों को धो डालें। एवोकाडो बालों को नमी और पोषण प्रदान करता है।

एवोकाडो-ऑलिव ऑयल मास्क: एवोकाडो और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क बनाने के लिए एक एवोकाडो को अच्छी तरह मैश कर लें। इसमें 1/4 कप ऑलिव ऑयल और एक चम्मच नीबू का रस मिला लें। इसे शुष्क बालों पर जड़ों से ऊपर की ओर लगाएं और आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। नीबू में एंटीफंगल गुणों की वजह से बालों में यह पैक डेंड्रफ को कंट्रोल करता है। एवोकाडो से आपके बालों को भरपूर पोषण मिलता है और बाल आपस में उलझते भी नहीं हैं।

डाइट सजेशन

अंजू जैन

आमतौर पर होम मेकर्स अपनी हेल्थ-डाइट का ध्यान नहीं रखती हैं। हेल्दी, रहने के लिए उन्हें भरपूर न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। कैसी होनी चाहिए आपकी डाइट इस बारे में आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

होम मेकर्स के लिए परफेक्ट डाइट प्लान

अधिकतर महिलाएं हमेशा घर के दूसरे सदस्यों की जरूरतें पूरी करने में ही जुटी रहती हैं। अपने खान-पान पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं। उन्हें कोई अपना ध्यान रखने के लिए कह भी दे, तो उनका जवाब कुछ ऐसा होता है, 'अरे हमें कौन सी भाग-दौड़ करनी पड़ती है, दिन भर घर में ही तो रहना है। कुछ भी खा लेंगे, कभी भी खा लेंगे।' लेकिन ऐसी सोच हेल्थ के लिए सही नहीं होती है।

नॉन स्टॉप काम: आमतौर पर होम मेकर्स को पुरुषों से भी ज्यादा देर तक काम करना पड़ता है। पुरुष भले ही घर से बाहर 8-10 घंटे काम करते हों लेकिन होम मेकर्स को तो राउंड दी क्लॉक यानी 16 से 18 घंटे ऑन ड्यूटी रहना पड़ता है। वर्किंग पुरुषों को शनिवार, रविवार, त्योहारों पर अवकाश तो मिल जाता है, लेकिन होम मेकर्स को तो 365 दिन काम में लगे रहना पड़ता है। ऐसे में होम मेकर्स को अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यह न सिर्फ आपकी हेल्थ के लिए जरूरी है बल्कि घर के दूसरे सदस्यों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि आप फिट रहेंगी, तभी तो उनकी बेहतर देखभाल कर पाएंगी। इस लिहाज से घर के पुरुष सदस्यों को भी होम मेकर्स की डाइट के प्रति विशेष रूप से कॉन्शस रहना चाहिए।

कैसी हो डाइट: होम मेकर्स की डाइट कैसी हो, इस बारे में बता रहे हैं।

- 10-12 गिलास पानी हर रोज पिएं। सॉफ्ट ड्रिंक या मीठे शरबत के बजाए सादा पानी ही सर्वोत्तम होता है। ताजा फलों का रस और छाछ आदि पी सकती हैं। खाने से तुरंत पहले या तुरंत बाद ज्यादा पानी न पिएं। इसमें 30-45 मिनट का अंतर रखें। खाना खाते ही पानी पीने से पाचक रस का असर खत्म हो जाता है। पाचन में दिक्कत आती है।
- सुबह सवेरे कई तरह के काम रहते हैं, इसलिए शांति से बैठकर नाश्ता करने की फुरसत नहीं मिलती। ऐसे में भूखे पेट रहना ठीक नहीं। आपको कुछ ड्राई फ्रूट्स (जैसे भीगे हुए बादाम) खा लेने चाहिए। सेब, केला, अमरूद या चीकू भी सुबह के नाश्ते के लिए अच्छे विकल्प हैं।

- अंकुरित अनाज या भीगी हुई दाल से कुछ पौष्टिक आहार बना सकती हैं।
- घर में कुछ तरह की चटनियां आपको हमेशा रखनी चाहिए। स्वाद और सुविधा के मुताबिक आप नारियल, इमली, धनिया, पुदीना, करौंदा, कच्चे आम आदि की चटनियां बना सकती हैं। ये भोजन में रुचि जगा कर स्वाद तो बढ़ाती ही हैं, इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।
- हर रोज सलाद जरूर खाएं। मौसम और उपलब्धता के अनुसार टमाटर, प्याज, खीरा, गाजर, चुकंदर, लेट्यूस आदि का सलाद बना सकती हैं। इनमें घुलनशील फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो आपके लिए सेहतमंद होते हैं। साथ ही इनसे पेट जल्दी भरता है, इसलिए आप ज्यादा खाने से बच जाती हैं।
- प्रतिदिन वर्कआउट जरूर करें। मॉर्निंग या ईवनिंग वॉक, स्विमिंग, डांस, योगा, एरोबिक्स, कुछ न कुछ जरूर अपनाएं।
- बेकरी आइटम्स, ऑयली फूड्स से बचें।
- रात को हमेशा समय पर सोएं। कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। दोपहर में भी थोड़ा-सा समय निकालकर 30-45 मिनट की झपकी जरूर लें।
- चोकरयुक्त आटे की रोटी खाएं, इससे पर्याप्त फाइबर मिलेगा।

(डाइटीशियन-न्यूट्रीशनिस्ट निधि शुक्ला पांडेय और डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

आज अधिकांश कपल्स वर्किंग हैं, उनके सामने अपने बच्चों की परवरिश की समस्या रहती है। ऐसे में घर के बुजुर्ग बच्चों की परवरिश हंसी-खुशी कर रहे हैं। इन्हें ही नहीं, बच्चों को भी अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ का सुख मिल रहा है।

ग्रैंड पैरेंट्स के साए में बच्चे

परवरिश

नम्रता

बढ़ते एकल परिवारों की मजबूरी के चलते दादा-दादी, नाना-नानी कहीं पीछे ही छूट गए हैं। लेकिन अब पति-पत्नी दोनों के काम-काजी होने के कारण दिनभर उनकी अनुपस्थिति में बच्चों के अकेलेपन को दूर करने और बेहतर परवरिश के लिए काम-काजी पति-पत्नी फिर से उन्हें दादा-दादी, नाना-नानी के साए में पालना सही समझते हैं। सिंगल पैरेंटिंग, तलाक के बाद एक पार्टनर का अलग होकर शादी करना, दोनों का अलग होकर फिर से शादी करना, करियर में व्यस्तता और भी इसी तरह के तमाम कारणों से कई परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों के लालन-पालन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

एंज्वॉय करते हुए बच्चों की परवरिश: वंशिका पति से अलगाव के बाद अपने मायके में रहने के लिए आ गई। कोर्ट में तलाक का मुकदमा चल रहा है। वंशिका स्वयं वर्किंग है। उसके पिता उच्च पदस्थ सरकारी कर्मचारी रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद वह और उनकी पत्नी वंशिका की बेटी को पालने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। 58 वर्षीय उनकी मां कहती हैं, 'मैं अपनी धेवती को लेकर शाम को जब पार्क जाती हूं तो मेरी ही तरह की और कई ऐसी महिलाएं हैं, जो गांव-कस्बे से अपने घर को छोड़कर अपने पोते-पोतियों की परवरिश कर रही हैं। उनके साथ हमारी गपशप होती है, हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद हम लोग पार्क में आते हैं, तब तक बेटी और दामाद तैयार होकर दोपहर का खाना बनाकर ऑफिस चले जाते हैं। सुबह के समय ही हम घर से बाहर निकल पाते हैं। यहां हम लोगों से मिल-जुलकर खुश होते हैं। हमारी वॉक भी हो जाती है और हमें भी यह अहसास होता है, रिटायरमेंट के बाद हम खाली नहीं बैठे हैं। हमारा भी समय बच्ची के साथ हंसते-खेलते गुजर जाता है, बोरियत नहीं होती।'

बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ: दादा-दादी, नाना-नानी की परवरिश में पलने वाले बच्चे अब उनके सान्निध्य में जिंदगी से जुड़े बहुत से खेल और काम सीखते हैं। उनको भी इनका साथ अच्छा लगता है। मुंबई में रह रही मिसेज अरोड़ा अपनी पोती को खाना बनाना सिखा रही हैं, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में पारंगत मिसेज अरोड़ा के ये पुराने शौक, जिन्हें उन्होंने अपने बच्चे पालने की व्यस्तता में बिसरा दिया था, अपनी पोती के बहाने उनके ये शौक फिर से नए रूप में सामने आ रहे हैं। मिसेज अरोड़ा कहती हैं, 'हमारे रिश्तेदार अकसर हमें इस बात का ताना देते हैं कि हमारी बहू अपने बच्चे की परवरिश के लिए हमें अपने शहर से दूर मुंबई ले गए हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं मानते। हम पति-पत्नी को यह लगता है कि हम कोई उन पर एहसान नहीं कर रहे। न इसके लिए हम अपनी सेहत की कुर्बानी दे रहे हैं बल्कि बच्चों के साथ हमारा समय कैसे कट जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। हमें इससे असीम सुख की अनुभूति होती है।'

बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच: मजबूरीवश ही सही सोशल मीडिया के इस दौर में आज दादा-दादी, नाना-नानी जैसे रिश्ते, जो पिछले कुछ सालों से हाशिए पर चले गए थे, उनकी इस जनरेशन ने अब कीमत पहचानी है। हमारे बुजुर्ग, हमारे बच्चों के दादा-दादी या नाना-नानी उनके लिए जो कुछ भी कर रहे हैं, वह करना आसान नहीं है। बच्चों को क्रेच में छोड़ने या मेड के भरोसे रखना सही नहीं है। हमारे माता-पिता के साथ बच्चों का रक्त संबंध है, बच्चों को भी अच्छा लगता है और हमारे माता-पिता भी हमारे साथ रहते हैं। दादा-दादी, नाना-नानी हमारे परिवार का एक मजबूत आधार और बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच हैं।

11 दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 10वें दिन रोमांचक मुकाबले

पहले मैच में पालुवास ने लेघा की टीम को हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रणजी खिलाड़ी स्व. अमित वशिष्ठ की याद में अमित वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा गांव रेवाड़ीखेड़ा स्थित ठाकुर आजाद सिंह स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 11 दिवसीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के 10वें दिन सोमवार को हुए मुकाबले बहुत ही रोमांचक रहे।

यह जानकारी देते हुए अमित वशिष्ठ फाउंडेशन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने बताया कि सोमवार को पहले मैच का शुभारंभ प्रमोद, रिकी, सोनू गुज्जर, सोनू प्रोफसर ने किया। उन्होंने बताया कि पहला मैच पालुवास व लेघा की टीम के

भिवानी। आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का परिचय लेकर मैच शुरू करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीच हुआ। जिसमें लेघा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 70 रन पर ऑल आऊट हो गई। स्कोर का पीछा करते हुए पालुवास की टीम ने 7 ओवर में ही मैच जीत लिया। सर्वाधिक अभिषेक ने 73 रन बनाए।

उन्होंने बताया कि दूसरा मैच कलानौर व डीघल की टीमों के बीच हुआ, जिसका शुभारंभ अंकित मुंढ़ाल ने किया। डीघल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए। जिसमें सर्वाधिक 116 रन अमन ने बनाए। स्कोर का पीछा करते हुए कलानौर की टीम 96 रन पर ऑल आऊट हो गई। सर्वाधिक पुनीत ने 32 रन बनाए तथा शीलू ने चार विकेट लिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बृजपाल, अजीत, सूरजपाल, दीपक रिवाड़ी, दल्ले, अजीत कालयान, राहुल, सुभाष, करतार, पवन, मदन, रीतिक, अशोक सहित अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में कॉम्पीटेंसी बेस्ड एसेसमेंट पर दो दिवसीय कार्यक्रम

■ ट्रेनर डा. अनुराधा छाबड़ा एवं राजीव कुमार ने सीबीएसई द्वारा बनाए गए सभी प्रारूपों पर विस्तार से चर्चा की

हरिभूमि न्यूज बवानीखेड़ा

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर में कॉम्पीटेंसी बेस्ड एसेसमेंट पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ट्रेनिंग का दूसरा दिन रहा। जिसमें पूर्व निर्धारित ट्रेनर डा. अनुराधा छाबड़ा एवं राजीव कुमार ने सीबीएसई द्वारा बनाए गए सभी प्रारूपों पर विस्तार से चर्चा हुई। आए हुए दोनों ट्रेनर्स ने सीबीएसई के विजन को प्रसार एवं विस्तार करने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रोग्राम में एनईपी के प्रत्येक पहलू को बारीकी से स्मार्ट एक्टिविटी व फिजिकली रूप में समझाया। आए हुए सभी शिक्षकों ने सुझाव लिए की छात्रों के लिए किस-किस प्रकार के प्रश्न पत्र होने चाहिए। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में आनंद स्कूल फॉर

बवानीखेड़ा। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

एक्सीलेंस, श्री कृष्णा प्रणामी स्कूल, मुंशीराम मेवा देवी इंटरनेशनल स्कूल, न्यू काशी पब्लिक स्कूल, सर्वोदया पब्लिक स्कूल और इंडियन पब्लिक स्कूल के अध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के प्रिंसिपल नितीश मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल गीता यादव, प्राइमरी हेड प्रोमिला यादव, एम एम इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल सीमा बब्बर और प्रवेश यादव जी मौजूद रहे। अंत में आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के प्रधानाचार्य जी ने दोनों ट्रेनर्स को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया।बवानीखेड़ा। 14 बीडब्ल्यूएनः31: आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

आधुनिक भारत के निर्माता थे बाबा साहेब

भिवानी। चांग स्थित आडियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इसका शुभारंभ उनकी प्रतिमा के समझ पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर आचार्य नवीन पारिक, स्कूल प्रबंधक समिति के सदस्य मास्टर सोमप्रकाश, हरीश रहेजा आदि उपस्थित रहे।

स्कूल प्राचार्य नवीन पारीक ने डा.अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज पूरा देश संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती मना रहा है। वर्तमान पीढी को इनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। बाबा साहब आधुनिक भारत के निर्माता थे जिन्होंने दलितों, पिछड़े वर्गों व जनजातियों की आवाज को मजबूती दी। हिन्दू धर्म में व्याप्त कुरीतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकर सन् 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक समिति के सदस्यों के साथ-साथ समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

युवाओं को समाजसेवा वधार्मिक आयोजनों से जोड़कर रखना सराहनीय कार्यः सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

श्रीअग्रवाल सभा ने श्रीमती अनारा देवी विद्यालय में एक शाम श्याम बाबा के नाम भजन संध्या का आयोजन किया। कार्यक्रम में पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ मुख्य तौर पर पहुंचे तथा बाबा का आशीर्वाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभा ने विधायक सर्राफ को बाबा श्याम का चित्र भेंट कर स्वागत किया।

इस भजन संध्या में शहर के विभिन्न कलाकारों द्वारा बाबा की मनमोहक प्रस्तुतियां गाकर लोगों को

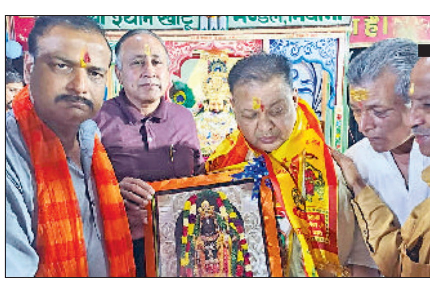

■ शहर के विभिन्न कलाकारों द्वारा बाबा की मनमोहक प्रस्तुतियां गाकर लोगों को झुमने पर मजबूर किया।

झुमने पर मजबूर किया। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि श्रीअग्रवाल सभा युवाओं को समाजसेवा व धार्मिक आयोजनों से जोड़कर बहुत ही सराहनीय एवं नेक कार्य कर रही है, जिसके लिए समस्त अग्रवाल सभा बधाई की पात्र है।

उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन ना केवल हमारी परंपरा और संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य करते है, बल्कि व्यक्ति को ईश्वर से जोडक़र सात्विक कार्यो में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करते है। सभा के प्रधान सुनील सर्राफ ने कहा किइस तरह के धार्मिक कार्यक्रम करने से लोगों में एकता और प्रेम का माहौल पैदा होता है और ईश्वर के प्रति लोगों की आस्था भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम बच्चों को नैतिकता, कर्तव्य व धार्मिक परंपराओं की शिक्षा देते है। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल सभा भिवानी हर तरह से समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने का काम करेगी और लोगों के हितों की रक्षा करेगी।

छोटे-छोटे सही फैसले भी डालते हैं बड़ा असर : धनाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा की एक एचसीएस (हरियाणा सिविल सर्विस) की महिला अधिकारी ने सामाजिक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बिना दहेज के सादगीपूर्ण विवाह रचाकर मिसाल पेश की है। इस साहसिक फैसले ने ना केवल दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई को चुनौती दी है, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी स्थापित किया है। सैक्टर-13 निवासी सूबेदार रामफल भालोठिया व अमरकला देवी की पुत्री एचसीएस अधिकारी अंजू भालोठिया वर्तमान में सोनीपत में तैनात हैं। उन्होंने रविवार को सोनीपत निवासी आजाद सिंह व

भिवानी। दम्पति को आशीर्वाद देते हुए। फोटो : हरिभूमि

अनिता देवी के पुत्र एचसीएस अधिकारी अंशुल अंतिल से विवाह किया। यह शादी ना कोई दिखावा, ना ही कोई लेन-देन, सिर्फ आपसी सम्मान, प्रेम और समझदारी के आधार पर हुई। इस साहसी निर्णय पर बात करते हुए उन्होंने एचसीएस अधिकारी अंजू भालोठिया ने कहा कि समाज में बदलाव लाने की शुरुआत हमें खुद से करनी होती है। दहेज लेना या देना दोनों ही गलत हैं। अगर पढ़े-लिखे लोग ही इस बुराई को नहीं रोकेंगे, तो फिर समाज में परिवर्तन कैसे आएगा। वही अंजू के इस सराहनीय पहल की सराहना करते हुए सैक्टर-13 निवासी डा. फूल सिंह धनाना ने कहा कि जब अधिकारी खुद समाज सुधार का बीड़ा उठाते हैं, तो वह सिर्फ शासन नहीं, बल्कि समाज की सोच भी बदलते हैं। इस मौके पर दि भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रामकिशन शर्मा, प्रधान संदीप तंवर, प्रधान विजय पंचगांवा, डा. पुष्पा भालोठिया, पार्षद सूर्या तंवर, राजपाल सिंह आईजी, प्रधान धर्मबीर नेहरा, रामदेव तायल, डीएसपी जगवीर बामला, प्रकाश ठेकेदार, पार्षद संदीप यादव सहित अन्य लोगों ने इस सराहनीय सोच की प्रशंसा की।

लोकतंत्र के प्रति सम्मान का प्रतीक है डा. अंबेडकर की प्रतिमा : प्रदीप नरवाल

भिवानी। संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर गांव चांग में ग्रामीणों एवं लांग्यान परिवार द्वारा सोमवार को बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर एसबीआई के पूर्व मैनेजर अधिवक्ता शिवकुमार ग्रेवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम में सान्निध्य संत आश्रम चांग से स्वामी मंगलानंद का रहा। इस मौके पर प्रतिमा अनावरण के पश्चात भंडारे का भी आयोजन किया गया।

मील का पत्थर साबित होगा एयरपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर हिसार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरियाणा में पहले एयरपोर्ट महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार के नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास किया। उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित मंत्री व विधायक रहे। शहर की महिलाओं ने बताया कि यह एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि ये प्रदेश का पहला एयरपोर्ट बना है।

पार्षद बसंती देवी ने बताया कि जनता का भला भाजपा राज में ही संभव है। आज प्रदेश में राम राज्य

सुमित्रा देवी।

कमल देवी।

बसंती देवी।

संतोष देवी।

आया हुआ है। युवा पढ़ाई के बल पर सरकारी नौकरियां लग रहे हैं, अपराध पर अंकुश लगा हुआ है और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर लोगों को तोहफा देने का कार्य किया गया है इससे जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने विधायक कपूर वाल्मीकि के कार्य की जमकर सराहना की।

प्रदेशवासियों का सौभाग्यः संतोष हलका विधायक कपूर वाल्मीकि की पत्नी संतोष देवी ने बताया कि ये लोकसभा हिसार सहित समस्त प्रदेशवासियों का सौभाग्य है कि हिसार में एयरपोर्ट सुविधा शुरू हुई और ये सुविधा उस महानपुरूष की जयंती पर शुरू हुई जिसने सभी को कानून की जानकारी दी।

वहीं संतोष देवी ने बताया कि इस एयरपोर्ट सुविधा से सभी को लाभ मिलेगा साथ में रोजगार भी बढ़ेगें। लाखों लोगों को यहां रोजगार मिलता दिखाई दे रहा है। हर तरफ बह रही विकास की गंगाः सुमित्रा देवी नपा पार्षद सुमित्रा देवी की मानें तो आज प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। भाजपा सरकार समान विकास कराने पर बल देती है।

नपा पूर्व चेयरपर्सन एवं मौजूदा चेयरमैन सुंदर अत्री की पत्नी कमल देवी ने बताया कि पहले एयरपोर्ट सुविधा के लिए दिल्ली-चंडीगढ़ का रूख करना पड़ता था लेकिन ये बवानी खेड़ा का भी सौभाग्य है।

सत्य मार्ग पर डटे रहने की प्रेरणा देता शहीद वीर हकीकत राय का जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बैसाखी पर्व पर शहीद वीर हकीकत राय की स्मृति में जामपुर सेवा समिति ने कृष्णा कॉलानी स्थित श्रीधर्मचंद तीकिया सभागार में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति एवं श्रद्धा से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन तपोभूमि परमहंस योगाश्रम से स्वामी कृष्णानंद सरस्वती महाराज के सान्निध्य में आयोजित किया।

सुंदरकांड पाठ के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीराम चरितमानस के मधुर छंदों का सामूहिक पाठ किया, जिससे पूरे परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने वीर हकीकत राय को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया। जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ श्रद्धालुओं को मानसिक शांति, ऊर्जा और सकारात्मकता प्रदान करता है। वहीं वीर हकीकत राय के जीवन से उन्हें प्रेरणा मिलती है।

नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने किया 10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास

कैथल। नगर परिषद कैथल की अध्यक्ष सुरभि गर्ग ने सोमवार को शहर के वार्ड नंबर 11 में करीब 10 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसमें शहीद भगत सिंह कॉलोनी में गलियों के निर्माण और इस वार्ड में अवैध से वैध हुई करीब पांच कॉलोनियों के करोड़ों रुपये के विकास कार्शामिल है। अध्यक्ष सुरभि गर्ग ने शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहा कि सरकार दिल खोलकर शहर में विकास कार्य करवाने की अनुमति प्रदान कर रही है। इसलिए वे मुख्यमंत्री नायब सैनी को विशेष तौर पर धन्यवाद देना चाहेंगी, क्योंकि ऐसे कर्मशील मुख्यमंत्री की वजह से हम धरातल पर मजबूती से काम कर रहे हैं। लोगों को बड़ी राहत बताया कि उन्होंने लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत से शहीद भगत सिंह कॉलोनी की गलियों का शिलान्यास किया है, जिससे स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। पहले इस क्षेत्र में सड़कें और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन अब सड़कें, बिजली और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। बताया कि वार्ड नंबर ग्यारह में लगभग आठ करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें से कुछ पूरी हो चुकी हैं और कुछ प्रस्तावित हैं। वार्ड 11 में ही लगभग चार से पांच कॉलोनियों को मंजूरी मिली है, जिनमें साढ़े चार करोड़ रुपये के विकास कार्य होने वाले हैं। इनमें से कुछ काम शुरू भी हो चुके हैं।

सही दिशा में शिक्षकों का मार्गदर्शन कर सकते है बड़ा चमत्कार : तनेजा

■ बीआर स्कूल में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में साहिल तनेजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप

भिवानी। बीआर स्कूल में शिक्षक-प्रशिक्षण देते मुख्य प्रशिक्षक साहिल तनेजा।

प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें समय प्रबंधन, छात्रों से भावनात्मक जुड़ाव, कला समावेशन और समावेशी शिक्षा प्रमुख रहे। साहिल तनेजा ने शिक्षकों को बताया कि जब तक शिक्षक किसी छात्र से भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ते, तब तक वांछित शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि एक बार जब छात्र शिक्षक से भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं, तो छात्र असाधारण प्रदर्शन करने की क्षमता हासिल कर लेते हैं। उन्होंने समावेशी शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि एक शिक्षक को कक्षा में प्रवेश करने से पूर्व यह समझना चाहिए कि प्रत्येक छात्र की क्षमता अलग होती है। कोई छात्र शैक्षणिक रूप से कमजोर हो सकता है, लेकिन उसमें किसी अन्य क्षेत्र में विशेष प्रतिभा हो सकती है।

बाबा साहब ने वसूलों से नहीं किया समझौता

भिवानी। शहीद यादगार समिति भिवानी ने बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर सिटी स्टेशन के नजदीकी स्थित राजीव कालोनी में ग्रीन बेल्ट के साथ एक सांस्कृतिक व वैचारिक कार्यक्रम किया, जिसमें शहर के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजली विद्युत निगम के सेवानिवृत एक्सईन सज्जन कुमार सिंगला व सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद भारद्वाज ने संयुक्त रूप से की तथा मंच संचालन सर्व कर्मचारी संघ के राज्य कोषाध्यक्ष सुखदर्शन सरोहा ने किया। कार्यक्रम में जयपाल साहु, प्राध्यापक राजेश व सोनू जाटू लुहारी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़ी हुई तथा देश भक्ति की रागनियों ने समय बांध दिया तथा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि आज बाबा साहब की वह टिप्पणी सच साबित हो रही है।

कार्यक्रम श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति भक्ति एवं समर्पण का प्रदर्शन कर की अढ़ाई

दरवाजों और मंदिरों को प्रणाम कर सनातन संस्कृति को मजबूती दे रही अढ़ाई कोसी यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वृंदावन, मथुरा, और बरसाना जैसी विभिन्न धार्मिक नगरी में निकाली जाने वाली कोसी यात्रा की तर्ज पर हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम के महंत चरणदास महाराज के नेतृत्व में हनुमान जन्मोत्सव से 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी यात्रा की शुरूआत की, जो सुबह 6 से 8 बजे तक छोटी काशी के हनुमान जोहड़ी मंदिर से शुरू होकर शहर के रोहतक गेट, महम गेट, तिगड़ाना गेट, हांसी गेट,

भिवानी। अढ़ाई कोसी यात्रा में शामिल महंत चरणदास महाराज व अन्य श्रद्धालु।

रेल दरवाजा, दिनोद गेट, देवसर गेट, हलवास गेट, पतराम गेट, हनुमान गेट, बेरी गेट, बावगड़ी गेट आदि 12 दरवाजों व राह में आने वाले विभिन्न मंदिरो को प्रणाम करते हुए वापस हनुमान जोहड़ी मंदिर में संपन्न होगी। इसी कड़ी में सोमवार को 41 दिवसीय अढ़ाई कोसी यात्रा तीसरे दिन भी जारी रही। यात्रा के दौरान सामूहिक भजन-कीर्तन जैसे धार्मिक आयोजन किए, जिससे सुबह-सेवेरे शहर में आध्यात्मिक वातावरण भी बना और अनेक श्रद्धालु यात्रा का हिस्सा बने। महंत चरणदास ने कहा कि भिवानी को छोटी काशी के नाम से जाना जाता है तथा ऐसी यात्रा न केवल भक्ति का माध्यम साबित होती है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का भी जरिया है। उन्होंने कहा कि बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इसमें भाग लेकर श्रीसनातन धर्म की परंपराओं को सहेजते हैं। अढ़ाई कोसी यात्रा का महत्व बताते हुए महंत चरणदास ने कहा कि ऐसी यात्राओं का विशेष महत्व होता है, जो श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभव होती है। उन्होंने कहा कि अढ़ाई कोसी यात्रा श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के प्रति भक्ति और समर्पण का प्रदर्शन है। श्रद्धालु यात्रा के माध्यम से अपने जीवन में धार्मिकता और पवित्रता लाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता है कि कोसी यात्रा करने से व्यक्ति को

वूमैन हैल्पिंग सोसायटी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को किया नमन

भिवानी। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने किसी जाति विशेष के नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के हितैषी थे। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान की रचना के दौरान हर वर्ग का ध्यान रखा, जिसका फायदा हर वर्ग के लोगों को मिल रहा है, ये बात वूमैन हैल्पिंग सोसायटी की संचालिका एवं प्रदेश अध्यक्षा सुशीला देवी सिंह ने बाबा साहेब की जयंती पर सोसायटी एवं इंडियन वेटरनस आर्गेनाईजेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कही। सोसाइटी व आर्गेनाइजेशन ने बासिया भवन के नजदीक बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष केक काटकर व माल्यार्पण कर नमन किया तथा बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा शिक्षित बनने का संकल्प लिया। सुशीला व चरणसिंह मलिक ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने शिक्षा पर बल देकर लोगों को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वेटरन राकेश पहल, चांदबीर, कमल सिंह, नेत्रपाल, वेटरन जोगेंद्र सिंह, सुनील, मिंटू सैनी, ममता, सुशील गोयत, प्रीति देवी, सोनिया कलसन, सुरेंद्र, सुनील प्रधान, प्रीति कांगड़ा आदि मौजूद रहे।

आस्था स्पेशल स्कूल में अंबेडकर जयंती मनाई

भिवानी। सिटी स्टेशन स्थित आस्था स्पेशल स्कूल में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके नमन किया। इस अवसर पर डॉक्टर अदिति कुलश्रेष्ठ ने दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचकर बाबा साहेब के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

सूचना

मैं मलखान सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी टाईयान पाना भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अमनदीप व इसकी पत्नी अंजलि व छोटा पुत्र सौरव, मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

कुंगड़ छोटा पाना में मनाई अंबेडकर जयंती

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के अंतर्गत आने वाले गांव कुंगड़ छोटा पाना में डीएससी समाज के लोगों ने मिलकर भीमराव अंबेडकर जयंती को धूमधाम से मनाया गया और उनके चरणों में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संदीप कुमार, मधुराम, राजेश कुमार, जयवीर, संजय कुमार, सुरेन्द्र, जयप्रकाश, धर्मा, राजकुमार, साहिल आदि ने बताया कि बाबा साहेब ने कानून व्यवस्था से समाज को नई दिशा दी और दबे-कुचले समाज के लोगों को न्याय दिलाने का कार्य किया। हमें उनके नक्शेकदम पर चलना चाहिए।

अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

तोशाम। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को गांव अलखपुरा में सरपंच अभय सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान समस्त कांटीवाल परिवार व पूरे गांव ने स्टेडियम में बाबा साहेब की 134वी जयंती धूमधाम से मनाई।

इस मौके पर उपस्थित लोगों ने बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण किया, जिसकी पालन प्रत्येक भारतवासी कर रहा है। उनका कहना था कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर महापुरुष थे उनकी काबिलियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर अजीत बडेसरा, मास्टर योगेश कांटीवाल, नर सिंह मलिक, हरदीप संगम स्कूल तोशाम, रमेश नाफरिया, संजय नाफरिया, सुरेश क्लर्क, सोनू फोटो स्टेट तोशाम, महेश, अमित अलखपुरा, विक्रम अलखपुरा, गजराज कांटीवाल, पंच सुरेन्द्र दलाल, भरथु गुज्जर, कर्मजीत दलाल, रमेश बाल्मीकि आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा ग्रामीण मौजूद थे।

बाबा साहेब के सपनों का भारत बनाना हमारा लक्ष्य: घनश्याम

मुख्यमंत्री सैनी से मिलकर जल्द डॉ. अंबेडकर छात्रावास निर्माण का करेंगे शिलान्यास: सर्राफ

- बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर दादरी गेट न्यू हाउसिंग बोर्ड स्थित डॉ. आंबेडकर छात्रावास प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय भव्य जयंती समारोह आयोजित किया। जयंती समारोह में पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनो को साकार करना हमारा मकसद है। बाबा साहेब के नाम से भिवानी में बनने वाले डॉ. आंबेडकर छात्रावास निर्माण का कार्य जल्द ही मुख्यमंत्री से बातचीत कर शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रावास निर्माण में आ रही दिक्कतों को दूर कर छात्रावास निर्माण का काम जल्द ही शुरू करवाया जाएगा। इसके लिए वे स्वयं मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिलकर बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं गरीब बच्चों के लिए डॉ. आंबेडकर छात्रावास की सोच रखते हैं, जहां पढ़कर बच्चे उच्च पदों पर जा सकें। सम्मान दिवस समारोह को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चैयरमैन डॉ. पवन शर्मा एवं अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन बिजेंद्र बड़गुज्जर ने बतौर विशिष्ट अतिथि सम्बोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम होने बहुत आवश्यक है। बाबा साहेब ने संविधान बनाने का काम किया था।

पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर पार्षद मदन तंवर, पार्षद जयवीर रंगा, पार्षद शिवकुमार गोठवाल, पूर्व पार्षद प्रकाश गोठवाल, एडवोकेट राजेश सिंधू, एडवोकेट विजय दहिया, एडवोकेट मंजू जनागल,हरनायण दहिया, एडवोकेट सुरेश मेहरा, पवन डेहनीवाल, संत कुमार, रणसिंह संभ्रवाल आदि मौजूद रहे।

पं नेकीराम शर्मा पार्क में बाबा को याद किया

भिवानी। कीर्ति नगर स्थित पंडित नेकीराम शर्मा पार्क में स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा पार्क कमेटी ने संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत गिरदावर सत्यनारायण शर्मा एवं सूबेदार मेजर नौरंगराम बड़वर ने की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त बीडीपीओ राजकुमार शर्मा, रतिराम सैनी लेक्चरर, हरिकिशन शर्मा, रिटायर्ड प्राचार्य राजीव शर्मा, रिटायर्ड मैनेजर रघुवीर खटक आदि वक्ताओं ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहेब को महान समाज सुधारक, अधिवक्ता, अर्थशास्त्री, महान शिक्षाविद, दलितों के मसीहा, संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। अतिथियों ने कहा कि युवा पीढ़ी को बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए।

संविधान निर्माता के जयंती पर नशे के खिलाफ अभियान चलाया

बाबा साहेब की जयंती पर पानी बचाने एवं नशे के खिलाफ अभियान चलाने की शपथ लेते महिलाएं, युवाशक्ति व अन्य।

भिवानी। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के 134वें जन्मदिवस पर हनुमान गेट स्थित बाबा साहेब की स्टैच्यू व डॉ. आंबेडकर कालोनी स्थित गुरू रविदास धर्मशाला में संचालित डॉ. आंबेडकर फ्री डिजिटल लाइब्रेरी में कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर युवा पीढ़ी को नशे के खिलाफ अभियान, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, खाने की महत्वत्ता व बूंद बूंद पानी बचाने की शपथ दिलाई। महंत चरणदास के सानिध्य में रमेश सैनी व विजय सिंहमार ने उपस्थितजन को शपथ दिलाई। इस मौके पर रमेश, विजय व राजू मेहरा ने कहा कि बाबा साहेब की शिक्षाओं से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने नशा मुक्त भारत का सपना देखा था। गरीब परिवार के बच्चे उच्च पद प्राप्त करें इसके लिए बाबा साहेब ने अपना मिशन शुरू किया था। आज संविधान निर्माता के जन्मदिवस पर बुंद बुंद पानी बचाने, शादी विवाह में खाने का दुरुपयोग न करें।

ग्राम स्वराज किसान मोर्चा ने मनाई बाबा साहेब की जयंती

संविधान निर्माता बाबा साहेब को नमन करते ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। संविधान निर्माता बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर ग्राम स्वराज किसान मोर्चा ने सोमवार को गांव तालु स्थित अंबेडकर भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा देशहित में उनके दिखाए कार्यो को याद किया। जोगेंद्र ने कहा कि बाबा साहेब की सोच वैज्ञानिक थी, वे रूढ़ियों से मुक्त एक शिक्षित समाज चाहते थे। इस अवसर पर रामकुमार, बिजेंद्र, रमेश, मोहन, सुरेश, बोदल, मोलू, गोगा, विजय, महेंद्र, टेकूराम, कर्मवीर, सुरजल, दलबीर व सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय के सबसे बड़े नायक थे डॉ. भीमराव अंबेडकर: चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डॉ. भीमराव आंबेडकर जनकल्याण समिति के बैनर तले विभिन्न संगठनों ने सोमवार को सिद्धार्थ नगर में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हवलदार कैलाश दिसोदिया ने की। इस मौके पर उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने की शपथ ली। इस मौके पर चमार संघर्ष समिति हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता राजेश चौधरी व अमित वाल्मीकि ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने अपने संघर्षों एवं अपनी शिक्षा से सामाजिक मूल्यों को विकसित किया। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक न्याय के सबसे बड़े नायक थे, जिन्होंने नए भारत की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब रूढ़ियों से मुक्त एक शिक्षित समाज चाहते थे। उनमें राष्ट्रहित सर्वोपरि था। वे कहते थे कि सामाजिक गुलामी से अगर व्यक्ति को मुक्त होना है तो उसे शिक्षित होना होगा। श्रीभगवान दहिया, बसपा नेता राजबीर सिंह बराड़, दिनेश खनगवाल, मैनेजर नीरज, समिति अध्यक्ष महाबीर सिंह बराड़, संदीप, सागर दिसोदिया, विकास बराड़, सुमित्रा देवी, लक्ष्मी, केला, राजबाला, आरती बराड़, रसिका ग्रेवाल, अनिष्का बराड़, माया देवी, अनिता बराड़, सविता बराड़, निधि दुचानिया आदि मौजूद रहे।

बाबा साहेब को नमन करते राजेश चौधरी व अन्य।

डॉ. अंबेडकर किया याद, पुष्प अर्पित कर निकाली रैली

लोहारू। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती पर शहर के संत रविदास मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और बाद लोगों ने शहर में मोटरसाइकिल रैली निकालकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की शिक्षाओं का प्रचार किया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा एवं समिति संयोजक महेन्द्र बिधनोई के प्रेरणादायक विचारों से की गई। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा, समिति संयोजक महेन्द्र बिधनोई, भरथराम बॉक्सर, विनेश, डॉ. कुलवीर, ओमप्रकाश, जब्बर सिंह, मेवासिंह, धर्मपाल, सतवीर, नन्दलाल आदि उपस्थित रहे।

नशामुक्त जागरूकता संदेश के साथ मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा सोमवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती नशामुक्त जागरूकता संदेश के साथ मनाई। इस मौके पर ग्रुप के सदस्यों ने शपथ ली कि वे समाज को नशामुक्त बनाने के अभियान में तेजी लाएंगे तथा प्रत्येक जन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए उन्हें नशा न करने के लिए प्रेरित करेंगे।

ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने बताया कि ग्रुप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड़ के नेतृत्व में जाट धर्मशाला में सामने स्थित चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्रीमहावीर जैन स्कूल की प्राचार्य एवं गाइड एवं रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी ने शिरकत की। कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र में सुबह 9 बजकर 58 मिनट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर सीनियर रोवर नितेश कुमार, धुरव अग्रवाल, वंश, पार्थ अग्रवाल, विवेक, रिंकू, मयूर, हर्षित, पुनीत, जोगिंद्र, रेंजर तमन्ना व खुशी आदि उपस्थित रहे।

बाबा साहेब को नमन करते चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के सदस्य।

भिवानी। पौधारोपित करते सांसद धर्मबीर सिंह।

गर्मी में पानी को हमें सहेज कर रखना चाहिए

भिवानी। भिवानी। जल एवं पर्यावरण संरक्षण कों समर्पित सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के बैनर के नीच जोगीवाला शिव मंदिर धाम वाटिका में पॉट एंड प्लांट ड्रॉप वॉटर सेव मिशन 2025 , कैच दा रेन, जल जीवन मिशन अभियान व एक पौधा मां के नाम, संयुक्त कार्यक्रम का भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने पौधा रोपण के साथ शुरू किया। इस अवसर पर विशेष सानिध्य महंत वेदनाथ का रहा। कार्यक्रम में जोगीवाला मंदिर, बाबा मेहू नाथ धर्मार्थ ट्रस्ट व शंकर नर्सरी महम रोड़ का विशेष सहयोग रहा। जल एवं पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल के बारे में भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि उपरोक्त संस्थाओं के द्वारा समय-समय पर इस प्रकार का अभियान चलाया जाता है ,ताकि लोग जागरूक हों और पानी व पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए ।

डा. अंबेडकर ने अपने संघर्षों एवं अपनी शिक्षा से सामाजिक मूल्यों को विकसित किया: रंगा

डा.अंबेडकर जनकल्याण समिति ने याद किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डा.अंबेडकर जनकल्याण समिति गुजरानी द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की 134वी जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डा. रुपेन्द्र ने बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण किया गया। भारत सरकार के श्रम एंव रोजगार मंत्रालय के उप निदेशक संजय कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रुप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता राजेश सिंधु ने की। इस अवसर पर डा. रुपेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर ने संघर्षों एवं अपनी शिक्षा से सामाजिक मूल्यों को विकसित किया। बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर सामाजिक न्याय के सबसे बड़े नायक थे। जिन्होंने नए भारत की नींव रखी थी। उन्होंने उपस्थित लोगों से बाबा साहेब के शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के नारे को साक्षात रुप देने के लिए आहवान किया। कहा कि बाबा साहेब रूढ़ियों से मुक्त एक शिक्षित समाज चाहते थे। उनमें राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इस अवसर पर समिति प्रधान बालूराम, उप प्रधान मनीराम, अधिवक्ता राजेश सिंधु, अधिवक्ता सुरेश बिधवान, अधिवक्ता संदीप बामला, अधिवक्ता शुभम मेहरा, हरिश गोच्छी, जयबीर अल्हाण, एसडीओ अजय, प्यारे लाल पंच, सज्जन, रामचंद्र, जगदीश पूनिया, सुबेदार हवासिंह, ठेकेदार विक्रम पूनिया, सुरेश पंच, बलदेव फौजी, स्नेहलता, उमेद भौरिया, सोहना देवी, अनिल प्रवक्ता,वीरभान, बालकिशन आदि मौजूद थे।

भिवानी। सविधान रचयिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए।

बीडब्ल्यूएन 6 : बच्चों को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

अंबेडकर शिक्षा सुधार समिति ने बाबा साहेब को किया याद

भिवानी। वार्ड नंबर-19 की बृजवासी कॉलोनी में सोमवार को अंबेडकर शिक्षा सुधार समिति ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई। इस मौके पर पार्षद शिवकुमार गोठवाल ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक व धार्मिक क्षेत्र में ऐसे कार्य किए, जिन्हें आज भी याद किया जाता है। उन्होंने जाति-पाति, ऊंच-नीच जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का कार्य किया तथा हर व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर गोविंदराम, प्रभातीलाल मेहरा, कामरेड भुंडूराम, हरिदास, कमला, बिमला, सुनीता, नीलम, रोशनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

कार्यक्रम करीबन 30000 लोगों को मिला हुआ है रोजगार

पत्थर के रेट घटाने की मांग को लेकर क्रेशर मालिकों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

खानक-डाडम स्टोन क्रेशर संगठन ने एचएसआईआईडीसी द्वारा खानक क्षेत्र में पत्थर के रेट को घटाने की मांग को लेकर एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के प्रधान भीष्म महता, उमेश मंगल, जय सिंह, रमेश शयोराण, राजीव, प्रदीप नैन, रतनलाल, बनवारी लाल, नरेश कुमार, रमेश कुमार, कृष्ण कुमार, राजेश आदि क्रेशर मालिक ने ज्ञापन के माध्यम से मंकी की वर्तमान में खनक क्षेत्र में नील पत्थर का बेस रेट 325 रुपए निश्चित है जो कि मौजूदा बाजार और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बहुत अधिक है, इसलिए पत्थर के इस रेट को घटाया जाए। उनका कहना था कि खानक पहाड़ की मासिक उत्पादन क्षमता लगभग 1 लाख टन है लेकिन उच्च रेट के कारण वास्तविक बिक्री मात्र 60 से 70 हजार टन तक सीमित रह जाती है जिससे उत्पादन की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं हो पाता। इसके अलावा हाल ही में पहाड़ को दी गई एनवायरमेंट क्लीयरेंस 10 एमटीपीए से बढ़ाकर 24 एमटीपीए कर दी गई है परंतु रेट ज्यादा होने के कारण उस उत्पादन स्तर तक पहुंचना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि दादरी और नारनौल जैसे अन्य नीले पत्थर के जोन में रेट 161 रुपए से 252 रुपए एमटी तक है जिससे खानक क्षेत्र के क्रशर यूनिट को सीधा नुकसान और प्रतिस्पर्धा में भारी घाटा हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की हम कई बार प्रशासन से रेट कम करने की मांग कर चुके हैं परंतु अफसरशाही हावी होने के कारण कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया इसके अलावा हाल ही में उद्योग मंत्री राव नरवीर सिंह को भी सभी परेशानियों से अवगत करवाया गया जिन्होंने समाधान का आश्वासन दिया था। खानक मार्केट में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीबन 30000 लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

तोशाम। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण

कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'

नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच

C.E.T. रेलवे
CUET अग्निवीर
S.S.C. Delhi Police

अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट

पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी

भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।

- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- सभी बीमारियों का इलाज दवा से और बिना दवा के।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथर्पी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।

Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT

मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863